



REET 2025 LEVEL-1&2



वंदन बैच

संस्कृत

विसर्ग संधि



LIVE

11-01-2025 03:00 PM



REET 2025 L

TIME TABLE



REET 2025

LEVEL-1 & 2



वंदन बैच



MATHS
L-1 07 AM



GEOGRAPHY
L-2 10 AM



हिंदी
L-1 & 2 11 AM



CDP
L-1 & 2 02 PM



ENGLISH
L-1 & 2 03 PM



संस्कृत
L-1 & 2 03 PM



EVS
L-1 04 PM



PHYSICS
L-2 04 PM



MATHS
L-2 05 PM



POLITY
L-2 07 PM



CHEM+ BIO
L-2 07 PM



HISTORY
L-2 08 PM

Registration Starts from

23rd DEC

Classes Start from

26th DEC

JOIN US ON



DOWNLOAD THE
RWA APP NOW



Google Play



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

5. अनुस्वार सन्धि

सत्र - मोऽनुस्वारः

नियम - पदान्त में 'म्' के बाद कोई भी व्यञ्जन आता है, तो 'म्' के स्थान में अनुस्वार (') हो जाता है।

उदाहरण - हरिम् + वन्दे = हरिं नन्दे

~~वन्दे~~ त्वम् + करोषि = त्वं करोषि

रामम् + भजामि = रामं भजामि

पदान्त म् + व्यञ्जनः अनुस्वार



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

6. तोर्लि लित्वा संधि ।

नियम - यदि 'त' वर्ग के किसी वर्ण से परे ल हो तो त वर्गीय वर्ण के स्थान पर ल् हो जाता है।

उदाहरण -

उद् + लिखितम् = उल्लिखितम्

तद् + लीनः = तल्लीनः

उद् + लेखः = उल्लेखः

विद्वान् + लिखति = विद्वल्लिखति

विशेष - अनुनासिक न् के स्थान में अनुनासिक ल् होता है।

त वर्ग + ल = ल्
(तश्च दे ध् न्) → ल्



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

7. परसवर्ण सन्धि

सूत्र - अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः।

नियम - अनुस्वार से परे यदि यय् प्रत्याहार (श, ष, स्, ह् के अतिरिक्त सभी व्यञ्जन यय् प्रत्याहार में आते हैं) का कोई भी व्यञ्जन आये तो अनुस्वार का परसवर्ण हो जाता है। अर्थात् पद के मध्य में अनुस्वार के आगे श, ष, स्, ह् को छोड़कर किसी भी वर्ग का कोई भी व्यञ्जन आने पर अनुस्वार के स्थान पर उस वर्ग का पञ्चम वर्ण हो जाता है; यथा गम् + गा = गंगा या गङ्गा।

अनुस्वार + यय् = परसवर्ण

(1, 2, 3, 4, 5 + 20) :

गं + गा = गंगा
गङ्गा
(क, ख, ग, घ, ङ)

अ + कित

अङ्कित

सं + चित् = सञ्चित

गुं + फित = गुम्फित



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

विशेष - यह नियम प्रायः अनुस्वार सन्धि के पश्चात् लगता है। पदान्त में यह नियम विकल्प से होता है; यथा- कार्यम् + करोति = कार्यं करोति या कार्यङ्करोति।

उदाहरण -

शाम् + तः = शान्तः = शां + तः = शान्तः

अन् + कितः = अङ्कितः = अं + कितः = अङ्कितः

कुन् + ठितः = कुण्ठितः = कुं + ठितः = कुण्ठितः

गुम् + फितः = गुम्फितः

अन् + चितः = अञ्चितः



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

पदान्त में होने पर -

अलम् + चकार = अलं चकार या अलञ्चकार

रामम् + नमामि = रामं नमामि या रामन्नमामि

त्वम् + करोषि = त्वं करोषि या त्वङ्करोषि



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

व्यञ्जन सन्धि चक्र

सन्धि का नाम	सूत्र	अर्थ	प्रयोग
1. श्रुत्व सन्धि	1. स् अथवा त सूत्र वर्ता: श्रुत्वा श्रु	स् अथवा त वर्ग के योग में श या च् वर्ग आवे तो सका श्, त् वर्ग का च वर्ग होता है।	रामस् + शेते = रामश्शेते। रामस् + चिनोति = रामश्चिनोति। सत् + चित् = सच्चित्
2. घृत्व सन्धि ✓	घृनाष्टुः	सकार त वर्ग के पहले या बाद में षकार और ट वर्ग	रामस् + षष्ठः = रामष्पष्ठः। रामस् + टीकते = रामष्टीकते।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

सन्धि का सूत्र नाम	अर्थ	प्रयोग
	आवे तो स का ष और त वर्ग का ट वर्ग हो जाता है।	तत् + टीका = तट्टीका। पृस् + टः = पृष्टः। जगत् + ईशः = जगदीशः।
3. जश्त्व सन्धि	झलां जशोऽन्ते	पद के अन्त में वर्ग के प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ण के बाद व्यंजन आने पर पहले वर्ण को तृतीय होता है।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

सन्धि का सूत्र नाम	अर्थ	प्रयोग
4. चर्च सन्धि	खरि च	वर्ग के प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ण के आगे किसी वर्ग के प्रथम या द्वितीय अक्षर के आने पर वे अपने वर्ग के प्रथम अक्षर में बदले जाते हैं।

छेद् + ता = छेत्ता ।
लिभ् + सा = लिप्सा।
हृद् + स्थलम् = हृत्स्थलम्।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वन्दन बैच

सन्धि का सूत्र नाम	अर्थ	प्रयोग
5. अनुस्वार सन्धि	मोऽनुस्वारः पद के अन्त में म् के बाद व्यञ्जन आने पर 'म' का अनुस्वार हो जाता है।	हरिम् + वन्दे = हरिं वन्दे। त्वम् + करोषि त्वं करोषि।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

विसर्ग सन्धि

विसर्ग के साथ स्वर या व्यञ्जन के मिलने से विसर्ग में जो विकार होता है उसे विसर्ग सन्धि कहते हैं। जैसे मनः रथः = मनोरथः !

विसर्ग सदा किसी न किसी स्वर के बाद ही आता है। जैसे 'दुःखः' तथा 'रामः' में विसर्ग क्रमशः 'उ' और 'अ' के बाद है। अतः विसर्ग सन्धि में विसर्ग से पहले आने वाले स्वर तथा बाद के स्वर अथवा व्यञ्जन दोनों का ही ध्यान रखा जाता है।

इसके प्रधान नियम निम्न हैं-

: + स्वर

: + व्यञ्जन



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

1. सत्व सन्धि (सूत्र- विसर्जनीयस्य सः) - यदि विसर्ग (:) के आगे कोई खर् प्रत्याहार का वर्ण (किसी वर्ग का पहला, दूसरा वर्ण या श् ष स) हो तो विसर्ग के स्थान में स् हो जाता है।

: + खर = स्
(1, 2)
श् ष स्

जैसे-

कः + कः = कस्कः ।

दुः + तरः = दुस्तरः ।

(इस नियम को समझने के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना आवश्यक है-

(क) यदि विसर्ग के परे क ख या पफ में से कोई हो तो विसर्ग के स्थान पर स् होता है।

$$\begin{array}{r}
 \text{२७२} \\
 + \text{१६०२५५} \\
 \hline
 \text{२८८२७७}
 \end{array}$$



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

जैसे-

कः + करोति = कस्करोति।

इतः + ततः = इतस्ततः ।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

(ख) यदि विसर्ग से परे च या छ हो तो विसर्ग के स्थान पर स् हो जाता है। फिर श्रुत्व सन्धि होकर 'स' का 'श्' बन जाता है।

जैसे-

निः + छलम् = निश्छलम्।

निः + चलम् = निश्चलम्।

कः + चित् = कश्चित्।

स् → श्

निस् + छलम् = निश्छलम्



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

(ग) यदि विसर्ग के परे ट् या व् हो तो विसर्ग के स्थान में स् हो जाता है। फिर ष्ट्व सन्धि होकर स् का ष बन जाता है। जैसे-

रामस् + टीकते = रामष्टीकते।

धनुः + टंकारः धनुष्टंकारः । =

स्-ष्

रामः + टीकते = रामस् + टीकते = रामष्टीकते

ः + ट् ट् = स् -> ष



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

(घ) यदि विसर्ग के परे त या थ हो तो विसर्ग के स्थान में स् होकर जैसा का तैसा रहता है। जैसे-

इतः + ततः = इतस्ततः ।

कृतः + तथा = कृतस्तथा।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

(य) यदि विसर्ग के परे श् थ् या स् में से कोई हो तो विसर्ग के स्थान में पर जैसा वर्ण हो जाता है अथवा विसर्ग जैसा का तैसा रहता है। जैसे-

हरिः + शेते = हरिश्शेते = हरिः शेते।

रामः + रामष्यष्ठः = षष्ठः = रामःषष्ठः ।

निः + सन्देहम् = निस्सन्देहम् = निःसन्देहम्।

रामः + षष्ठः = रामषष्ठः

निस्सन्देहम्



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

अन्य उपयोगी उदाहरण -

मनः + तापः = मनस्तापः

पुरः + कार = पुरस्कार

नमः + ते = नमस्ते

हरिः + छलति = हरिश्छलति

हरिः + चलति = हरिश्चलति ।

गौः + चरति = गौश्चरति ।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

2. रुत्व सन्धि (सूत्र ससजुषोः रुः) पदान्त (पद के अन्त) के स् के स्थान में रु (र) हो जाता है। जैसे-

कविः + अयम् = कविरयम्

गौः + अयम् = गौरयम्

पाशैस् + वृद्धः = पाशैर्वृद्धः

भानोः + अयम् = भानोरयम्

पितृः + आज्ञा = पितृराज्ञा

मुनिः + आगच्छति = मुनिरागच्छति

कैः + उक्तम् = कैरुक्तम्

सजुषि पदान्त स् के

स्थान पर क

कविस् + अयम् = कविरयम्

गौस् + अयम् = गौरयम्

सप्तजुषाः कः

↓

पदान्त स्

सप्तजुष

के क (र)

काविस् + अयम्

वे = काविरयम्

मुनिस् + आरुहति = मुनिरागरुहति



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

हरेः + इदम् = हरेरिदम् ।

प्रातः + अहम् = प्रातरहम्

ऋषिः + वदति = ऋषिर्वदति

मातृः + आदेशः = मातृरादेशः ।

साधुः + गच्छति = साधुर्गच्छति।

निः + धनम् = निर्धनम् ।

प्रातः + एव = प्रातरेव ।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

अन्य उपयोगी उदाहरण -

कविस् + आगच्छति = कविर् + आगच्छति = कविरागच्छति।

मुनिस् + इव = मुनिर् + इव = मुनिरिव ।

निस् + दयः = निर्दयः

पतिः + उवाच = पतिरुवाच

भानु + उदेति = भानुरुदेति

हरेः + जन्म = हरेर् + जन्म = हरेर्जन्म।

गुरोः + आगमनम् = गुरोर् + आगमनम् = गुरोरागमनम् ।

मुनिः + गच्छति = मुनिर् + आगच्छति = मुनिर्गच्छति



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

3. उत्त्व सन्धि (क) (सूत्र - अतोरोरप्लुतादप्लुते) यदि रु के र् से पूर्व ह्रस्व अ हो और परे भी ह्रस्व अ हो तो (रु र) के स्थान में 'उ' हो जाता है।

विशेष (अ + उ + अ) बन जाने पर गुण सन्धि तथा पूर्वरूप सन्धि होकर (अ उ अ) तीनों का एक 'ओ' बन जाता है। जैसे -

शिवस् + अर्घ्यः

रुत्व सन्धि होकर शिव + र् + अर्घ्यः उपर्युक्त उत्त्व सन्धि होकर = शिव + उ + अर्घ्यः गुण सन्धि होकर = शिवो + अर्घ्यः पूर्वरूप सन्धि होकर शिवोऽर्घ्यः इसी

प्रकार सम् + अपि सोऽपि

देवस् + अपि = देवोऽपि सस् + अहम् = सोऽहम्

शिवस् + अर्यः

↓
(क) ३

शिवः ३ + अर्यः

शिवो + अर्यः

शिवोऽर्यः

बालकस् + अयम्

↓
(क) ३

बालक ३ + अयम्

बालको + अयम्

बालकोऽयम्

प्रथमः अद्यायः

↓
म

प्रथमम् + अद्यायः

केऽउ

प्रथम ३ + अद्यायः

प्रथमो + अद्याय = प्रथमोऽद्यायः

ए/ओ + स्मि अ ५

देवस् + आपि

देव(क) आपि

देव उ आपि

देवो + आपि

देवोऽपि

(सप्तजुषोः रुः)

(अतोरोरनुतादनुते)

(आङ् गुण)

(एङ् पदान्तादति)



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

शिवस् + अत्र = शिवोऽत्र।

(ख) (सूत्र हशिच) यदि रु (र्) के पूर्व ह्रस्व अ हो और परे हश् (वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ वर्ण तथा य वरलह) हो तो रु (र्) के स्थान में 'उ' हो जाता है। फिर अ + उ में गुण सन्धि हो जाती है। जैसे-

मनस् + रथः = मन र रथः मन उ रथः = मनोरथः

शिवस् + वन्द्यः = शिव+र्+ वन्द्यः शिव+ उ + वन्द्य शिवोवन्द्यः

अन्य उपयोगी उदाहरण –

रामस् + नमति = रामो नमति।

रामस् + हसति = रामो हसति।

अ के हश्
(3, 4, 5
य व र ल ह
ह)

मनस् + रथः

मन(क) + रथः (मसगुणैः रु)

मन उ रथः (हारी च)

मनोरथः (आद् गुणः ,

सम् + वरः

सर कु + वरः (समग्रुषो, दृशीच, आदृगुः)

सरोवरः

पयस + धरः

रु = उ (५)

पयोधरः

रामसु + नमति

रु = उ

रामो नमति



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

मृगस् + धावति = मृगो धावति।

मेघस् + गर्जति = मेघो गर्जति।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

4. रलोप सन्धि (सूत्र - रोरि) यदि र् से परे र् हो तो पूर्व 'र्' का लोप हो जाता है।

जैसे - $\text{रु} = \text{र}$

बालकास् + रमन्ते = बालकार + रमन्ते बालका रमन्ते

गौः + रम्भते = गौर् + रम्भते = गौ रम्भते।

५
२

पुनर् + रमेते =



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

5. लोप निमित्तक दीर्घ (सूत्र - ढूलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः) यदि द्वार परे होने पर ढ् यार का लोप हुआ है और लुप्त होनेवाले ढ् या र् से पूर्व अ इ उ में से कोई हो तो इनका दीर्घ बन जाता है। जैसे-

हरिर् + रम्यः = हरि रम्यः

पुनर् + रमते = पुना रमते

शम्भुर् + राजते = शम्भू राजते।

पुनरि + रमते = पुनारमते

हरिर् + रम्यः = हरी रम्यः



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

6. खरवसानयोर्विसर्जनीयः

यदि पदान्त में र् आए अथवा र् से परे खर् (वर्गों के प्रथम द्वितीय वर्ण एवं श् प् स्) आये तो दोनों स्थितियों में र् का विसर्ग हो जाता है। जैसे -

रामर् + खादति = रामः खादति

पुनर् + पृच्छति = पुनः पृच्छति

रामर् + करोति = रामः करोति

वृक्षर् + फलति = वृक्षः फलति

गुरुर् + पाठयति = गुरुः पाठयति



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

7. वा शरि

यदि विसर्ग के बाद शर् अर्थात् श, ष, स् आये तो विसर्ग के स्थान पर विकल्प से स् होता है। जैसे-

मुनिः + शेते = मुनिश्शेते

रामः + षष्ठः = रामष्ष्ठः

कृष्णः + सर्पः = कृष्णस्सर्पः

मत्तः + षट्पदः = मत्तष्पट्पदः



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

बहुविकल्पीय प्रश्न

सही विकल्प का चयन कीजिए-

1. 'तल्लयः' में किस सूत्र के अनुसार सन्धि की गयी है?

(क) खरि च

(ख) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः

~~(ग) तौर्लि~~

(घ) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा

तुर्वा + लं = तुर्



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

2. 'बालको हसति' में किस सूत्र के अनुसार सन्धि की जाती है?

(क) आद् गुणः

(ख) अतोरोरप्लुतादप्लुते

(ग) हशि च

(घ) ससजुषोरुः

बालको हसति
बालकस्य हसति
उ०



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

3. 'हरिस् + शेते' में किस सूत्र के अनुसार सन्धि की गयी है?

(क) अकः सवर्णे दीर्घः

(ख) झलां जशोऽन्ते

(ग) स्तोश्चुनाश्चुः

(घ) शात्



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

4. 'शान्तः' में किस सूत्र के अनुसार सन्धि की गई है?

(क) झलां जशोऽन्ते

(ख) मोऽनुस्वारः

(ग) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः

(घ) खरि च।

शां + तः